भाए न देश, प्रफेशनल चले विदेश!

प्रियंका सिंह ॥

स्लोडाउन का खमियाजा बेशक पूरी इंडस्ट्री को उठाना पड़ रहा है, लेकिन कुछ कंपनियां इस दौर में मुनाफे की ओर बढ़ रही हैं। ये हैं वे कंपनियां, जो विदेशों में उच्चशिक्षा के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाती हैं। असल में, मंदी का दौर आने के बाद दाखिले की तैयारी के लिए इन कंपनियों को अप्रोच करने वालों की संख्या काफी बढ़ गई है। दिलचस्प यह है कि इनमें कॉरपोरेट और वर्किंग प्रफेशनल्स भी काफी ज्यादा हैं। ज्यादातर आईटी या इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के इन प्रफेशनल्स में से आठ फीसदी अकेले सत्यम कंपनी से हैं।

विदेशी यूनिवर्सिटियों में पढ़ाई के इच्छुक स्टूडेंट्स को जीमैट (ग्रैजुएट मैनेजमेंट एप्टिट्यूड टेस्ट), जीआरई (ग्रैजुएट रेकॉर्ड एग्जाम), टॉफेल (टेस्ट ऑफ इंग्लिश फॉरन लैंग्वेज), सैट (टेस्टिंग सिस्टम्स) आदि टेस्ट पास करने होते हैं। इन्हीं टेस्ट की तैयारी करानेवाली अमेरिकी कंपनी द प्रिंसटन रिव्यू के भारतीय सहयोगी मान्या ग्रुप का कहना है कि देश-विदेश में पढ़ाई के लिए आनेवाली इन्क्वायरी करीब 25 फीसदी बढ़ गई है। कंपनी के मुताबिक, अमेरिका में अकैडमिक प्रोग्राम में दाखिले के लिए अनिवार्य जीआरई देने के इच्छुक स्टूडेंट्स बीते साल 74 हजार से घटकर 55 हजार रह गए थे। लेकिन हाल में इनमें फिर से इजाफा होने लगा है। मान्या ग्रुप का दावा है कि दिल्ली, चंडीगढ़, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नै आदि शहरों में टेस्ट के बारे में जानकारी चाहने वालों में 35 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो रही है। मजेदार यह है कि जब इस कंपनी ने सत्यम के कर्मचारियों से संपर्क किया तो उनमें से आठ फीसदी ने जीआरई और जीमैट करने की इच्छा जताई।

इन आंकड़ों से यह भी साफ है कि बेशक अमेरिका मंदी से जूझ रहा है, लेकिन वहां जाने की लोगों की चाहत कम नहीं हुई है। मान्या ग्रुप की मैनेजिंग डायरेक्टर आराधना के. महाना कहती हैं कि स्लोडाउन के इस दौर में प्रफेशनल्स वापस स्कूल की ओर लौटते साफ नजर आ रहे हैं। मौजूदा हालात में ज्यादातर प्रफेशनल भविष्य सुरक्षित बनाने के मकसद से अपनी योग्यता बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। इसके लिए वे विदेशों में पढ़ाई की कोशिश कर रहे हैं।

फॉरेन एजुकेशन एक्सपर्ट निधि मोदी के मुताबिक देश में स्लोडाउन का ज्यादा असर बीते नवंबर में दिखना शुरू हुआ। इसके बाद से विदेशों में पढ़ाई के इच्छुक प्रफेशनल बढ़ रहे हैं। साउथ इंडिया में ही करीब 13 फीसदी इजाफा देखा गया। इनमें आईटी हब के रूप में जाने जानेवाले बेंगलुरु, चेन्नै और हैदराबाद प्रमुख शहर हैं।

पीटी एजुकेशन के दिल्ली ऑपरेशंस के डायरेक्टर रवि पोखरा के मुताबिक स्लोडाउन के दौरान मैनेजमेंट में सबसे ज्यादा मिडल सेग्मेंट से जॉब गए। ऐसे में उन्हें यह वक्त अपने स्किल्स को तराशने के लिए मुफीद लगा और उन्होंने विभिन्न तरह के कोर्सों में दाखिले के लिए अप्लाई करना शुरू कर दिया। बकौल पोखरा, बीते साल तक कोर्स के लिए अप्लाई करने वालों में प्रफेशनल्स करीब 30 फीसदी होते थे, जो इस बार बढ़कर 45 फीसदी हो गए हैं, यानी 50 फीसदी की बढ़ोतरी पाई जा रही है।

मंदी का खामियाजा...

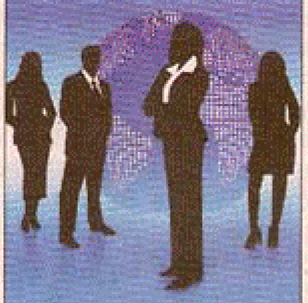

- विदेशों में पढ़ने की तैयारी में कॉरपोरेट और वर्किंग प्रफेशनल
- विदेशों में हायर एजुकेशन प्रोग्रामों में दाखिला लेने की होड़ बढ़ी
- स्लोडाउन में ऐसी ट्रेनिंग देने वाली कंपनियां का मुनाफा बढ़ा